an>

title: Regarding security of people who post comments on social media and facebook.

श्री भगवंत मान (संगरूर): मैडम, सोशल मीडिया देश में लोकतंत्र का पांचवें स्तंभ के रूप में सामने आ रहा है। जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया पर सरकार का दबाव बढ़ जाता है तो सोशल मीडिया ही सत्य को बताने का एकमात्र माध्यम रह जाता है। पिछले दिनों पर सोशल मीडिया पर जो एक्टिविस्ट हैं उस पर पुलिस का अत्याचार की खबरें आ रही हैं। कुछ विदेशों में जो सोशल मीडिया एक्टिविस्ट हैं उनके परिजनों को थानों में बुलाकर जलील किया जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकारों को झूठे केस में जेल में डाला जा रहा है। मैं इन्फॉर्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री से आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि मीडिया इमर्जेंसी जो लग गई है उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि 66 ए धारा के तहत फेसबुक पर बोलने को क्राइम नहीं माना जाना चाहिए।